कविता: फलों का राजा

मैं फलों का राजा हूँ
आम मैं कह लाता हूँ ।२।

मैं तो फल रसीला हूँ
खट्टा मीठा दोनों हूँ ।२।

गर्मियों में आता हूँ
बाकी दिन छिप जाता हूँ ।२।

मैं फलों का राजा हूँ
आम मैं कहलाता हूँ ।